Rapid Series

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

इतिहास

कम समय में सम्पूर्ण तैयारी के लिए !

केन्द्र एवं राज्यों की निम्न परीक्षाओं के लिए उपयोगी

SSC | BANK | RAILWAY | POLICE | NDA | CDS | DEFENCE | TET | TGT | PGT | STATE PCS | STATE ONE - DAY EXAMS | B.ED. ENTRANCE EXAM

ATTENTION!

इस बुक को Ignore मत करना !

काफी छात्रों को इस बुक से फायदा हुआ है
आप भी उनमें से एक हो सकते हैं

विशेषताएँ

- ☑ सम्पूर्ण Theory सरल भाषा में !
- ☑ केन्द्र एवं राज्यों की सभी परीक्षाओं के प्रश्नों का Theory में Coverage !
- ☑ अध्यायवार अति महत्वपूर्ण Questions का संग्रह !
- ☑ NCERT Theroy का समावेश!

Code	Price	Pages	ISBN
CB1071	₹ 259	260	978-93-5561-129-1

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Exam Information, Preparation Strategy and Current Affairs

- **Agarwal Examcart Help Centre** — v
- एक दिवसीय एवं राज्य सेवा आयोग की सामान्य अध्ययन (G.S.) की परीक्षा को पहले प्रयास में पास करें। — vii
- **Current Affairs!** की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ? — viii
- **Best Strategy !** परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका — ix
- **Best** करेंट अफेयर्स **Online Course!** — x
- किसी भी राज्य की भर्ती परीक्षा को आसानी से पास करने की **Golden Strategy !** — xi

इतिहास 1-257

प्राचीन इतिहास 1-83

1.	प्राचीन इतिहास का विभाजन (Division of Ancient History)	1-6
2.	इतिहास के स्रोत (Source of History)	7-13
3.	सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)	14-21
4.	वैदिक काल (Vedic Period)	22-30
5.	जैन धर्म, बौद्ध धर्म एवं अन्य धार्मिक सम्प्रदाय (Jainism, Buddhism and Other Religious Sects)	31-41
6.	छठी शताब्दी ई.पू. का भारत तथा महाजनपद काल (India of 6th Century BC and Mahajanpada Age)	42-46
7.	मौर्य वंश (Maurya Dynasty)	47-54
8.	मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period)	55-60
9.	संगम काल (The Sangam Period)	61-64
10.	गुप्त वंश एवं वर्धन वंश (The Gupta Dynasty and Vardhan Dynasty)	65-74
11.	पूर्व-मध्यकाल (Pre-Medieval Period)	75-83

मध्यकालीन इतिहास 84-138

1.	भारत में मुस्लिम आक्रमण (Muslim Invasion in India)	84-87
2.	दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)	88-98
3.	सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था (Sultanate Administrative System)	99-103
4.	नए क्षेत्रीय राज्यों का उदय (Rise of New Regional States)	104-108
5.	मध्यकालीन भारत के धार्मिक आन्दोलन (Religious Movements of Medieval India)	109-115
6.	मुगल काल (Mughal Period)	116-132
7.	मराठा साम्राज्य (Maratha Kingdom)	133-138

इतिहास

आधुनिक इतिहास **139-198**

1. यूरोपीयों का भारत आगमन (Arrival of European Companies in India) 139-147
2. 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857) 148-151
3. 1857 की क्रान्ति से पूर्व एवं पश्चात् भारत में विभिन्न आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक घटनाएँ (Various Economic, Social, Political and Religious Events in India Before and After the Revolt of 1857) 152-168
4. कांग्रेस की स्थापना और राष्ट्रवादी गतिविधियाँ (Formation of Congress and Nationalist Activities) 169-198

विश्व का इतिहास **199-213**

कला एवं संस्कृति **214-257**

1. चित्रकला (Painting) 214-218
2. भारतीय वास्तुकला और स्थापत्य (Indian Architecture) 219-223
3. भारतीय मूर्तिकला एवं हस्तशिल्प (Indian Sculpture & Handicraft) 224-226
4. गुफाएँ एवं प्रसिद्ध मन्दिर (Caves and Famous Temple) 227-230
5. भारतीय भाषा एवं साहित्य (Indian Language and Literature) 231-234
6. भारतीय नृत्य (Indian Dance) 235-239
7. भारतीय संगीत, संगीत शैलियाँ एवं गायक तथा वाद्य व वादक (Indian Music, Music Styles and Singers and Strument and Players) 240-246
8. भारतीय सिनेमा और सम्बन्धित कार्यकारी एवं प्रसारण संस्थान (Indian Cinema and Related Executive and Broadcasting Institutes) 247-250
9. प्रमुख मेले एवं त्योहार (Famous Fairs and Festivals) 251-255
10. महत्वपूर्ण तथ्य (Important Facts) 256-257

अध्याय 1 प्राचीन इतिहास का विभाजन (Division of Ancient History)

प्राचीन भारत को मुख्यतः प्राप्त स्रोतों के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है– **प्रागैतिहासिक काल, आद्य-ऐतिहासिक काल, ऐतिहासिक काल**

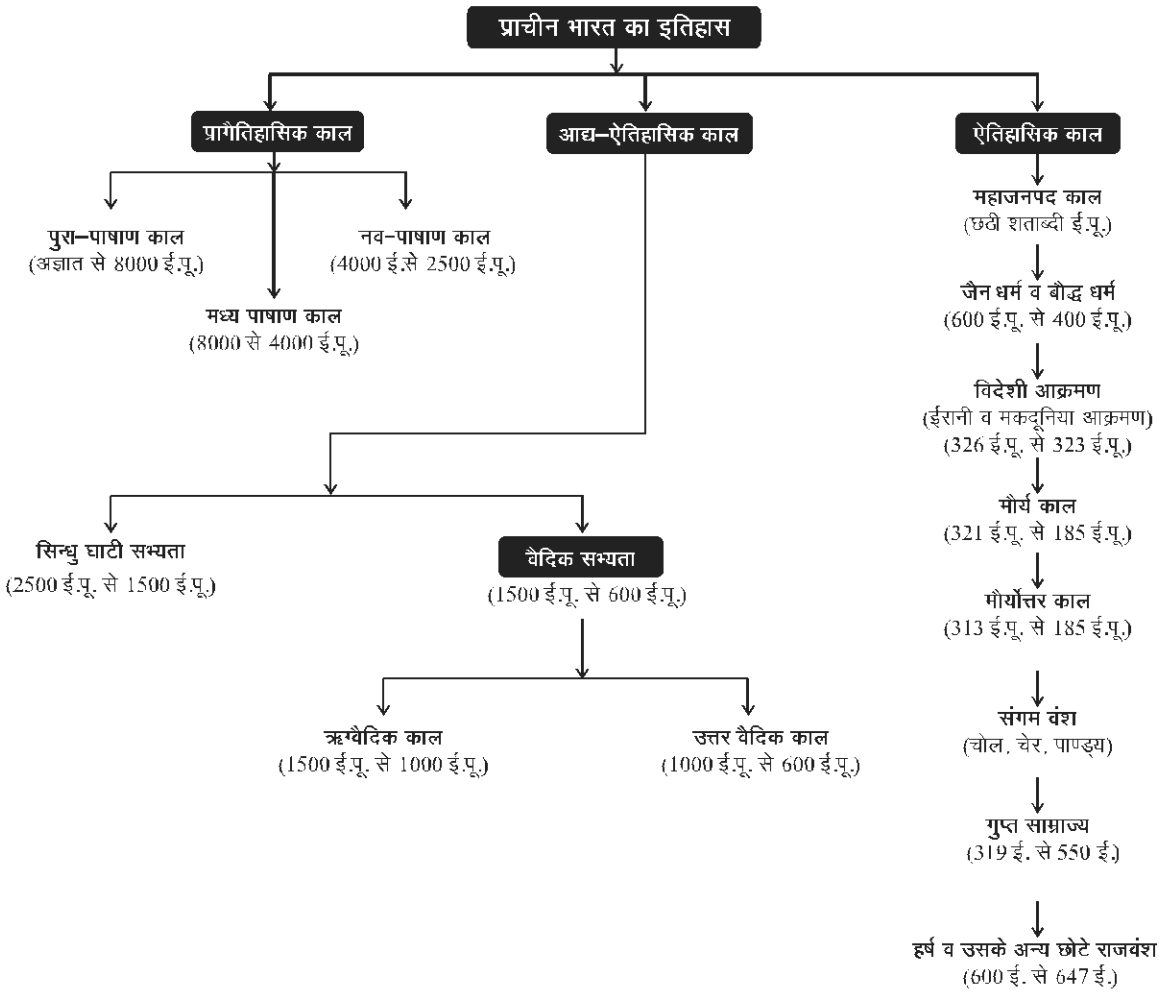

1. प्रागैतिहासिक काल (Pre-Historic Period)

प्रागैतिहासिक काल को मानव सभ्यता की दृष्टि से प्रारम्भिक काल माना है। इस काल को पाषाणकालीन सभ्यता भी कहा जाता है। जिस काल में मनुष्य की घटनाओं का कोई लिखित विवरण नहीं मिलता है, प्रागैतिहासिक काल कहलाता है। इस काल के विषय में जानकारी पुरातात्विक साधनों (पाषाण के उपकरणों, मिट्टी के बर्तनों, खिलौनों आदि) से प्राप्त हुई है।

सर्वप्रथम पाषाणकालीन सभ्यता तथा संस्कृति की खोज रॉबर्ट ब्रूस फुट ने 1863 ई. में की थी।

इस काल को सामान्यतः तीन भागों में विभाजित किया जाता है–

- पुरापाषाण काल (5,00,000 से 8000 ई. पू.)
- मध्य पाषाण काल (8000 से 4000 ई. पू.)
- नव-पाषाण काल अथवा उत्तर पाषाण काल (4000 से 1000 ई. पू.)

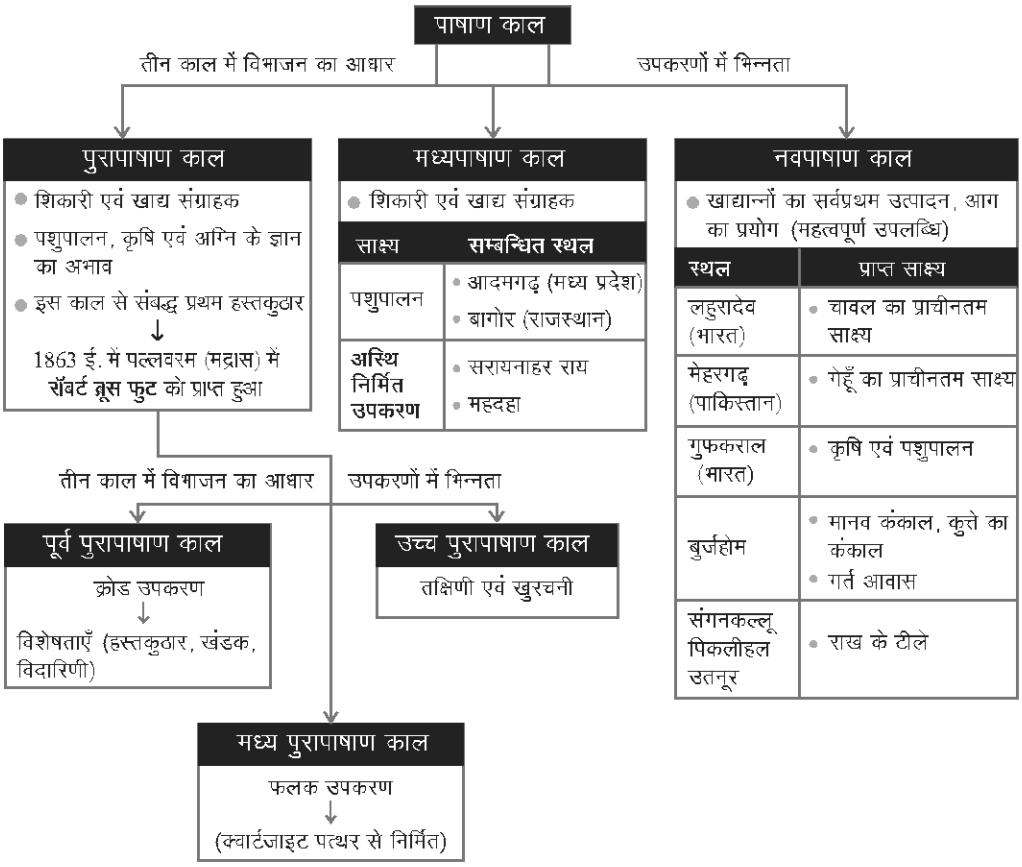

प्रागैतिहासिक काल का वर्गीकरण
(Classification of Pre-Historic Period)

पुरापाषाण काल	• यह काल (5,00,000 से 8000 ई. पू.) आखेटक एवं खाद्य-संग्रहण काल के रूप में भी जाना जाता है। • हाल में महाराष्ट्र के 'बोरी' नामक स्थान से खुदाई में मिले अवशेषों से ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस पृथ्वी पर 'मनुष्य' की उपस्थिति लगभग 14 लाख वर्ष पुरानी है। • आग का आविष्कार पुरापाषाण काल में हुआ, स्थायी जीवन के प्रमाण मध्यपाषाण काल से प्राप्त हुए हैं, जबकि पहिए का आविष्कार **नव-पाषाणकाल** में हुआ। • पुरापाषाण काल में प्रयुक्त होने वाले प्रस्तर उपकरणों के आकार एवं जलवायु में होने वाले परिवर्तन के आधार पर इस काल को तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है– 1. निम्न पुरापाषाण काल 2. मध्य पुरापाषाण काल 3. उच्च पुरापाषाण काल • वर्तमान पाकिस्तान की सोहन घाटी एवं महाराष्ट्र में निम्न पुरापाषाण युग के स्थल पाए गए हैं। • निम्न पुरापाषाण काल में कुल्हाड़ी या हस्त कुठार, विदारिणी और खंडक के प्रयोग के साक्ष्य मिले हैं। भारत में सबसे पुराना हस्त कुठार सोहन घाटी से प्राप्त हुआ है। • पशु की हड्डी से बनी मूर्ति लोहदा नाला (वेलन घाटी, उत्तर प्रदेश) से प्राप्त हुई है। • मध्य प्रदेश के हथनौरा से हाथी का सबसे पुराना जीवाश्म मिला है। • मध्य पुरापाषाणकालीन स्थल भीम बेटिका मध्य प्रदेश से गुफा चित्रकारी के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। इस स्थान की खोज 1957 में पुरातत्वविद वी.एस. वाकडकर ने की थी। • मध्य पुरापाषाण काल के औजार मुख्यतः शल्क के थे। यह काल निएंडरथल मानव का था। • मोस्तारी संस्कृति का संबंध मध्य पुरापाषाण काल से है। • उच्च पुरापाषाण काल में अस्थि उपकरणों का प्रयोग महत्वपूर्ण है। • इस काल में आधुनिक मानव, अर्थात् होमोसेपियंस का उदय हुआ था। साथ ही इस युग में ही चकमक उद्योग की स्थापना हुई।

• **मध्य पाषाण काल** (8000 से 4000 ई. पू.)	• इस काल के लोग शिकार करके, मछली पकड़कर तथा जंगली फल का संग्रह कर उसी से अपना पेट भरते थे। • इस काल में प्रयुक्त होने वाले उपकरण आकार में बहुत छोटे होते थे, जिन्हें **माइक्रोलिथ** कहते थे। • मध्य पाषाण काल के औजार बनाने के लिए प्रेशर क्लेकिंग विधि का प्रयोग करते थे। • पॉलिशदार पाषाण उपकरण सबसे पहले इसी काल से प्राप्त हुए हैं। • मध्य पाषाण काल में जेस्पर, एगेट, चर्ट और चालसिडनी जैसे पदार्थों का प्रयोग शुरू हो गया था। • जीवित व्यक्ति के अपरिवर्तित जैविक गुणसूत्रों के प्रमाणों के आधार पर भारत में मानव का सबसे **पहला प्रमाण केरल** से मिला है। • इसी काल में अफ्रीका से आदिमानव ने विश्व के अनेक हिस्सों में बसना प्रारम्भ किया। • कृषि संबंधी पौधे बोने का **प्रथम साक्ष्य राजस्थान के साम्भर** से प्राप्त हुआ है। • मध्य प्रदेश में आदमगढ़ और राजस्थान का बागोर पशुपालन का प्राचीनतम प्रमाण प्रस्तुत करता है।
• **नव-पाषाण काल अथवा उत्तर पाषाण काल** (4000 से 1000 ई. पू.)	• इस काल के मानव ने सबसे पहले **कुत्ते को पालतू** बनाया, जो नव पाषाणकाल से सम्बन्धित है। इसी काल (मध्य प्रदेश) में मानव में स्थायी निवास की प्रवृत्ति जागृत हुई। • इस काल का **प्रथम प्रस्तर** उपकरण **सर्वप्रथम 1860** ई. में 'ली मेसुरियर' ने उत्तर प्रदेश की टौंस नदी की घाटी से प्राप्त किया। • बाद में 1872 ई. में 'निबलियन फ्रेजर' ने कर्नाटक के 'बेलारी' क्षेत्र को दक्षिण भारत की उत्तर पाषाणकालीन सभ्यता का मुख्य स्थल घोषित किया। • इस सभ्यता के **मुख्य केन्द्रबिन्दु** हैं—**कश्मीर, सिंध प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम** आदि। • इस काल में मानव **पॉलिशदार पाषाण हथियारों** का प्रयोग करते थे। • इस काल के लोगों को सबसे पहले अन्न उगाने का श्रेय दिया जाता है। • लोग मिट्टी और सरकंडे से निर्मित गोलाकार तथा आयताकार घरों में रहते थे। • बुर्जहोम (कश्मीर) के लोग धूसर मृद्भाण्ड धूसर प्रकार की मिट्टी से बने बर्तन का प्रयोग करते थे। यहाँ कब्रों में पालतू कुत्तों को अपने मालिकों के साथ दफनाया जाता था। • मेहरगढ़ पुरास्थल बोलन नदी के तट पर स्थित है, यहाँ से नव-पाषाण युग के बहुत से अवशेष मिले हैं। यह स्थल बोलन घाटी में स्थित है। यहाँ से प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। • मेहरगढ़ के नव-पाषाणीय लोग गेहूँ, जौ और रुई उपजाते थे। चावल उपजाने के साक्ष्य इलाहाबाद के आस-पास से प्राप्त हुए हैं।

- आखेटक—इस काल में मानव जाति जन्तु शिकार व कन्द मूल पर ही अपना जीवनयापन करते थे।
- सोहन घाटी वर्तमान में पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में स्थित है।
- शल्क—पत्थर के टुकड़ों को कहा जाता है।

प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ
(Pre-Historic Cultures)

अहाड़ संस्कृति	2100 से 1500 ई. पू.
गैरिक मृद्भांड संस्कृति	2000 से 1500 ई. पू.
कायथा संस्कृति	2000 से 1800 ई. पू.
सवालदा संस्कृति	2000 से 1800 ई. पू.
मालवा संस्कृति	1700 से 1200 ई. पू.
चिरांद संस्कृति	1500 से 750 ई. पू.
जोरवे संस्कृति	1400 से 700 ई. पू.

प्रागैतिहासिक पुरातात्विक साक्ष्य
(Pre-Historic Archaeological Evidences)

स्थान	प्राप्त साक्ष्य
मेहरगढ़	प्रारम्भिक कृषि–कार्य के साक्ष्य
इनाम गाँव	मातृदेवी की लघु मूर्ति, सांड़ की मृणमूर्ति, हाथी दाँत के मनके
बागोर, आदमगढ़	पशुपालन के प्रथम साक्ष्य
चिरांद	हड्डी के औजार
बुर्जहोम	गर्त आवास
हस्तिनापुर	जंगली गन्ना, चावल, काँच की चूड़ियाँ
जखेड़ा	लोहे का हँसिया, कुदाल, ताम्र चूड़ियाँ
कोल्डीहवा	चावल के अवशेष
नेवासा	सूती कपड़े का साक्ष्य
अतरंजीखेड़ा	कपड़े की छपाई के अवशेष

2. आद्य-ऐतिहासिक काल
(Early-Historical Period)

- प्रागैतिहासिक काल के बाद का काल आद्य–ऐतिहासिक कहलाता है। इस काल में लेखन कला के प्रचलन के प्रमाण तो हैं, लेकिन ये लेख या तो पढ़े नहीं जा सके हैं या उनकी गूढ़ लिपि को समझना कठिन है।
- सिंधु एवं वैदिक सभ्यता इस काल से संबंधित है।
- इसके अध्ययन हेतु पुरातात्विक एवं साहित्यिक दोनों प्रकार के साक्ष्य उपलब्ध हैं, परन्तु पुरातात्विक साक्ष्यों का ही उपयोग हो पाता है।
- आद्य-ऐतिहासिक काल को दो भागों में बाँटा जाता है–
  I. ताम्रपाषण काल
  II. लौह काल।

I. ताम्र–पाषाण काल (Chalcolithic Age)

- मानव जीवन में सर्वप्रथम जिस धातु का प्रयोग किया गया, वह ताँबा (लगभग पाँच हजार ई. पू.) था।
- मुख्य ताम्र–पाषाण संस्कृतियाँ निम्न थीं–अहाड़ एवं गिलुंद (द. पू. राजस्थान की बनास घाटी), कायथा (म. प्र.), गिलुंद (अहमदनगर, महाराष्ट्र), मालवा संस्कृति।
- सभी ताम्र–पाषाण संस्कृतियों में मालवा मृद्भांड सबसे उत्कृष्ट पाया गया है।
- इसे चैल्कोलिथिक युग भी कहा जाता है।

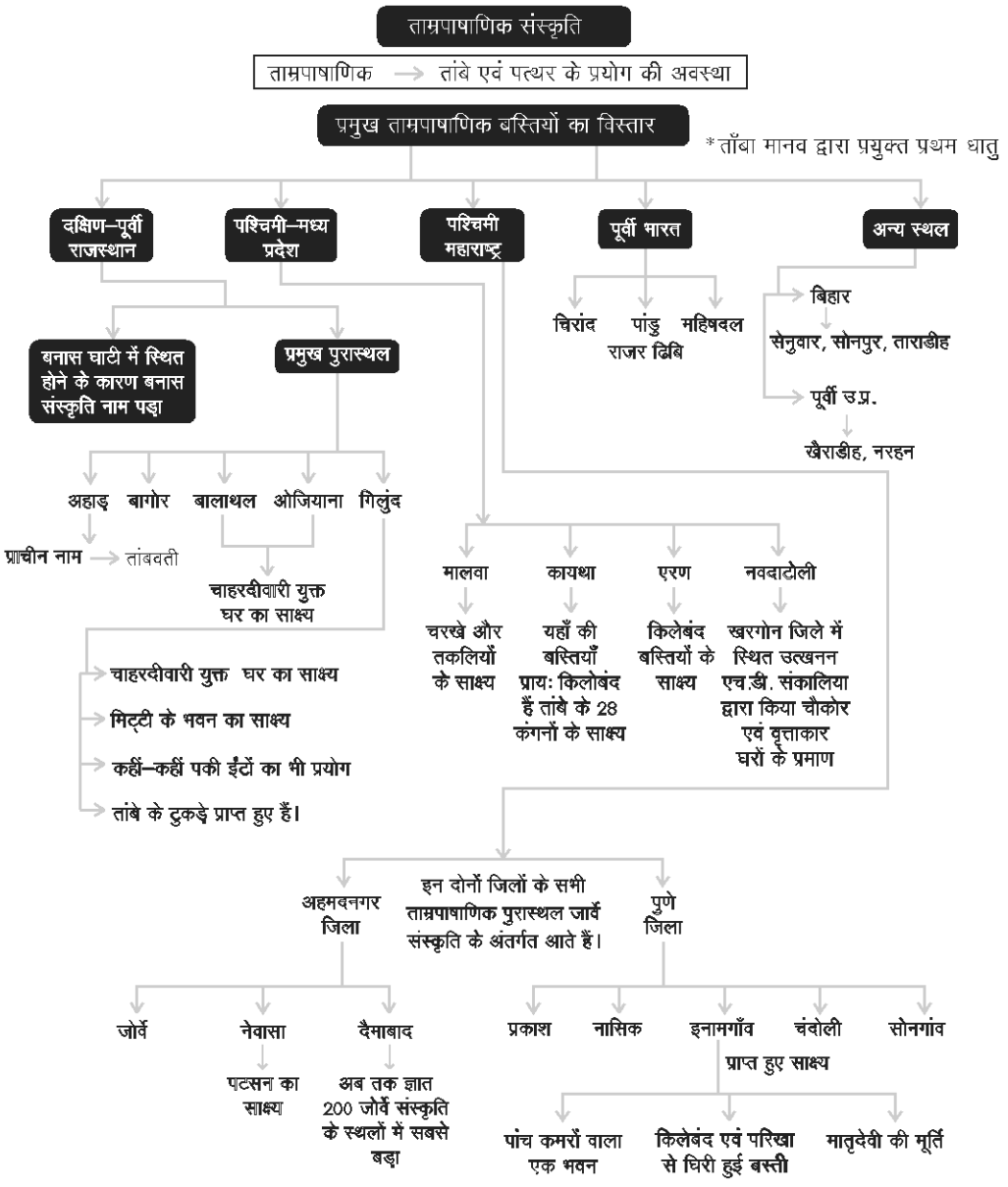

- मुख्य स्थल—प. बंगाल, पांडू राजार, ढिबी व वीरभूम, महिषादल। बिहार में सेवार, चिरांद, ताराडीह तथा उ. प्र. में रैवाराडीह व नौह्यन।
- इस संस्कृति के लोग ताम्र एवं पत्थर के छोटे–छोटे औजारों व हथियारों का प्रयोग करते थे; जैसे—फलक, फलकियाँ।
- जोरवे संस्कृति के मुख्य स्थल थे—जारवे, नेवासा, दैमाबाद, चंदोली, सोनगांव, इनामगांव, प्रकाश व नासिक।
- 'अह्राड़' का पुराना नाम 'ताम्बावती' (यानी ताँबे वाली जगह) था। यहाँ पर काले–लाल रंग के मृद्भांडों का प्रयोग होता था। पक्की ईंटों का प्रयोग नहीं होता था। लोग पत्थर के घरों में रहते थे।
- सोठी संस्कृति (राजस्थान) घग्घर घाटी के क्षेत्रों में फैली थी।
- केरल में पत्थर की चट्टानों में शव दफनाने के साक्ष्य मिले हैं।
- द. भारत के ब्रह्मगिरि, पिकलीहल, संगानाकालू, मस्की, हल्लूर आदि से ताम्र–पाषाण युगीन तथा लौह युगीन बस्तियों के साक्ष्य मिले हैं।
- जोरवे संस्कृति के अन्तर्गत एक पाँच कमरों वाले मकान का अवशेष मिला है। जीवन सामान्यतः ग्रामीण था।
- कुछ बर्तन, जैसे 'साधारण तश्तरियां' एवं 'साधारण कटोरे' महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 'सूत एवं रेशम के धागे' तथा 'कायथा' में मिले 'मनके के ह्वार' के आधार पर कहा जा सकता है कि 'ताम्र-पाषाण काल' में लोग कताई-बुनाई एवं सोनारी व्यवसाय से परिचित थे।
- इस काल के लोग लेखन कला से अनभिज्ञ थे।
- राजस्थान और मालवा में प्राप्त मिट्टी निर्मित वृषभ की मूर्ति एवं 'इनाम गांव से प्राप्त 'मातृदेवी की मूर्ति' से लगता है कि लोग वृषभ एवं मातृदेवी की पूजा करते थे।
- गणेश्वर एक ताम्रपाषाणकालीन स्थल है।

II. लौह काल (Iron Age)

- इस काल का निर्धारण 1000 से 600 ई. पू. के बीच किया जाता है।
- उत्तर भारत में लौह काल के साथ-साथ चित्रित धूसर मृद्भांड संस्कृति कायम हुई है।
- दक्षिण भारत में लौह काल महापाषाण संस्कृति के समकालीन था।

3. ऐतिहासिक काल
(Historical Period)

जिस काल से हमें लिखित प्रमाण प्राप्त हुए हैं और पठनीय हैं वह काल ऐतिहासिक काल के रूप में जाना जाता है।

- भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में एशिया माइनर से प्राप्त बोजकोई के अभिलेख में भारतीय देवता इन्द्र, वरुण, मित्र व नाशल्य का उल्लेख प्राप्त हुआ है यह भारतीय इतिहास को जानने का प्राचीनतम स्रोत है जिसका काल प्रायः 1400 ई. से लेकर 1000 ई. पू. तक माना जाता है।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किसे प्रारंभिक भारतीय पुरातत्त्व की मुख्य अवधियों के घटनाक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया गया है ?
(A) नवपाषाण → मध्यपाषाण → पुरापाषाण → हड़प्पा सभ्यता
(B) पुरापाषाण → मध्यपाषाण → नवपाषाण → हड़प्पा सभ्यता
(C) पुरापाषाण → नवपाषाण → मध्यपाषाण → हड़प्पा सभ्यता
(D) हड़प्पा सभ्यता → पुरापाषाण → मध्यपाषाण → नवपाषाण

2. निम्नलिखित में से किस भारतीय पुरातत्त्ववेत्ता ने पहली बार 'भीमबेटका गुफा' को देखा और उसके शैलचित्रों के प्रागैतिहासिक महत्व को खोजा?
(A) माधो स्वरूप वत्स
(B) एच. डी. संकालिया
(C) वी. एस. वाकंकर
(D) वी. एन. मिश्रा

3. निम्नलिखित में से किस स्थान पर मध्यपाषाण काल में पशु पालन के प्रमाण मिलते हैं ?
(A) औदे (B) बोरी
(C) बागोर (D) लखनियाँ

4. सिक्कों के अध्ययन जिसमें आलेख और चित्रों जैसे दृश्य तत्वों सहित, धातुकर्म विश्लेषण और उनके मिलने की परिस्थिति शामिल है, उसे ..... कहा जाता है।
(A) पुरालेख (B) मुद्राशास्त्र
(C) पुरातत्व (D) इतिहास

5. सर्वप्रथम मानव ने निम्नलिखित धातु का उपयोग किया–
(A) सोना (B) चाँदी
(C) ताँबा (D) लोहा

6. निम्न में से कौन-सा स्थल मध्य पाषाणकालीन नहीं है ?
(A) लंघनाज (B) गणेश्वर
(C) बागोर (D) आदमगढ़

7. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल में भूमिगत गड्ढों के प्रमाण मिलते हैं ?
(A) मेहरगढ़ (B) बुर्जहोम
(C) राणा घुंडई (D) पलावॉय

8. चावल निम्नलिखित मे से किस स्थान पर पहली बार उगाया गया था ?
(A) नर्मदा घाटी
(B) सिंधु घाटी
(C) गारो पहाड़ी
(D) विंध्य के उत्तर में

9. पाषाण युग के निम्नलिखित में से किस काल में सबसे पहले जानवरों को पालतू बनाने का प्रारंभ हुआ ?
(A) पुरापाषाण (पैलियोलिथिक) युग
(B) ताम्रपाषाण (चालकोलिथिक) युग
(C) नवपाषाण (निओलिथिक) युग
(D) मध्य पाषाण (मेसोलिथिक) युग

10. निम्नलिखित में से किस स्थान ने भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि का सबसे पहला प्रमाण दिया है ?
(A) प्रतापगढ़ (B) मेहरगढ़
(C) क्वेटा (D) कलात

11. पुरा पाषाण युग के लोगों का मुख्य कार्य क्या था ?
(A) शिकार करना (B) मछली पकड़ना
(C) पशुपालन (D) कृषि

12. पाषाण काल के किस काल में मिट्टी के बर्तनों के उपयोग के सबसे पहले प्रमाण मिले ?
(A) ऊपरी पुरापाषाण युग
(B) मध्यपाषाण युग
(C) नवपाषाण युग
(D) मध्य पुरापाषाण युग

13. निम्नलिखित में से किस धातु का सर्वप्रथम प्रयोग मनुष्य ने पृथ्वी पर किया था ?
(A) लोहा (B) ताँबा
(C) सोना (D) एल्युमिनियम

14. निम्नलिखित मे से किस क्षेत्र में, महिलाओं और पुरुषों ने लगभग 8000 वर्ष पहले गेहूँ और जौ जैसी फसलों की खेती शुरू की थी?
(A) नर्मदा घाटी

(B) सुलेमान और कीर्थर पहाड़ियाँ
(C) सिंधु घाटी
(D) गंगा घाटी

15. निम्नलिखित में से कौन-सा पुरातत्व स्थल पुरापाषाण काल का है/हैं ?
(1) हुन्सगियो
(2) इनामगाँव
(3) मेहरगढ़
(4) चिरांदो
(5) भीमबेटका
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) 1, 2 और 3
(B) 1, 2, 3 और 5
(C) 1, 2 और 5
(D) 1 और 5

16. निम्नलिखित स्थलों में से कौन-सा मेसोलिथिक काल में जानवरों के प्रभुत्व का साक्ष्य प्रदान करता है ?
(A) ओडाई (B) बोड़ी
(C) बागोर (D) लाखनिया

17. प्रारंभिक मानव द्वारा माइक्रोलिथ.....का उपयोग किया जाता था।
(A) सिक्के (B) पत्थरों के औजार
(C) वस्त्र (D) मिट्टी के पात्र

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द बड़े पत्थरों या उनके साथ बने स्मारकों से संबंधित है ?
(A) ताम्र युग (B) महापाषाण काल
(C) मध्यपाषाण काल (D) पुरापाषाण काल

19. निम्नलिखित में से भारत में उच्च पुरापाषाण स्थानों में से कौन-सा उस राज्य के साथ गलत तरीके से मेल खाता है, जिसमें वह स्थित है ?
(A) भीमबेटका, मध्य प्रदेश
(B) बेतमछेरला, आंध्र प्रदेश
(C) इनामगांव, महाराष्ट्र
(D) सिंहभूम, हिमाचल प्रदेश

20. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और सूची के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची–I (ताम्रपाषाण संस्कृति स्थल)	**सूची–II (ताम्रपाषाण संस्कृति के स्थलों की नदियाँ)**
a. अहर	1. ताप्ती
b. कायथा	2. नर्मदा
c. स्वाल्दा	3. कालीसिंध
d. मालवा	4. बनास

(A) a-2, b-4, c-1, d-3
(B) a-4, b-3, c-1, d-2
(C) a-2, b-1, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तरमाला

1. (B) **2.** (C) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (C)
6. (B) **7.** (B) **8.** (D) **9.** (D) **10.** (B)
11. (A) **12.** (C) **13.** (B) **14.** (B) **15.** (D)
16. (C) **17.** (B) **18.** (B) **19.** (D) **20.** (B)

❑❑